

4 May 2019 The Hindu

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस

- विश्व भर में 03 मई 2019 को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।
- इस वर्ष का विषय मीडिया फॉर डेमोक्रेसी (Media for Democracy) हैं।
- यह दिवस मीडियाकी आजादी पर हमलों से मीडिया की रक्षा करने तथा मरने वाले पत्रकारों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य करता है।

उद्देश्य:

- विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस का उद्देश्य प्रेस की आजादी के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना है। प्रेस की आजादी और समाचारों को लोगों तक पहुंचाकर, सशक्त हो रहे मीडियाकर्मियों का व्यापक विकास करना है।
- भारत में प्रेस की स्वतंत्रता भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से सुनिश्चित होती है।
- मीडिया की आजादी का मतलब है कि किसी भी व्यक्ति को अपनी राय कायम करने और सार्वजनिक तौर पर इसे जाहिर करने का अधिकार है। इसका आयोजन संयुक्त रूपसे फ्रांस' ग्रीस और लिथुआनिया के स्थायी मिशन द्वारा किया जाता है।

भारत में प्रेस की स्थिति:

- भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी हैं लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है' इसलिये यह और भी जरूरी है कि आधुनिक विचार उन तक पहुंचाए जाएं और उनका पिछड़ापन दूर किया जाए' ताकि वे सजग भारत का हिस्सा बन सकें।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस

- विश्व स्तर पर प्रेस की आजादी को सम्मान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया गया' जिसे विश्व प्रेस दिवस के रूप में भी जाना जाता है।
- यूनेस्को द्वारा वर्ष 1997 से हर साल 3 मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर गिलेरमों कोनो वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम प्राइज भी दिया जाता है। यह पुरस्कार उस व्यक्ति अथवा संस्थान को दिया जाता है जिसने प्रेस की स्वतंत्रता के लिए उल्लेखनीय कार्य किया हो।

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. विश्व प्रेस सूचकांक का प्रकाशन रिपोर्टर्स विडआउट बॉर्डर संस्था द्वारा किया जाता है।
2. इस सूचकांक में भारत को 2019 में 140वां स्थान प्राप्त हुआ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सत्य हैं।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

भारत का सैन्य खर्च बढ़ा : सीपरी रिपोर्ट

- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत का सैन्य खर्च वर्ष 2018 में 3.1 प्रतिशत बढ़ा है। सीपरी ने वैश्विक स्तर पर होने वाले सैन्य खर्च के आँकड़ें प्रस्तुत किये हैं।
- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा सैन्य खर्च रिपोर्ट पेश करने का उद्देश्य एक ऐसे शांतिपूर्वक विश्व का निर्माण करना है जहां असुरक्षा के स्रोतों को पहचाना और समझा जाए, संघर्षों को रोका या हल किया जाए और शांति बनाए रखी जा सके।

भारत से संबंधित तथ्य

- सीपरी द्वारा पेश किये गये आँकड़ों के अनुसार, सेना पर खर्च के मामले में भारत वर्ष 2018 में दुनिया में चौथे स्थान पर रहा। जबकि वर्ष 2017 में भारत इस सूची में पाँचवें स्थान पर था।
- वर्ष 2018 में भारत ने अपने सैन्य खर्च को 3.1 प्रतिशत बढ़ाकर 66.5 बिलियन डॉलर कर दिया। वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर कुल सैन्य खर्च में भारत का हिस्सा 3.7% था।
- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब भारत नए लड़ाकू विमानों, जेट, युद्धपोत, हेलीकॉप्टर, तोपखाने और पैदल सेना के हथियारों के साथ अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने में भारी निवेश कर रहा है।

वैश्विक तथ्य

- सीपरी के आँकड़ों के अनुसार, चीन वर्ष 2018 में सैन्य खर्च करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश था।
- अमेरिका इस सूची में पहले स्थान पर है। विश्व भर में सैन्य साजो-सामान पर होने वाले खर्च का 60% पांच देशों द्वारा किया जाता है।
- इस सूची में शामिल टॉप पांच देश हैं- अमेरिका, चीन, सऊदी अरब, भारत और फ्रांस।
- रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने वर्ष 2013 के बाद से हर साल अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1.9 प्रतिशत सैन्य खर्च के लिये आवंटित किया है।
- इस सूची में 11.4 बिलियन डॉलर के सैन्य खर्च के साथ पाकिस्तान वर्ष 2018 में 20वें स्थान पर था।

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

- सीपरी की रिपोर्ट के अनुसार 2013 से 2017 के बीच भारत ने सबसे ज्यादा 62 फीसदी हथियार रूस से आयात किये थे।
 - सीपरी इंस्टीट्यूट संयुक्त राष्ट्र संघ के अंतर्गत कार्य करता है।
- उपर्युक्त कथनों में से कौन से सत्य हैं।
- केवल 1
 - केवल 2
 - 1 और 2 दोनों
 - न तो 1 और न ही 2